कक्षा-आठ पाठ-2

लाख की चूड़ियाँ

— कामतानाथ

शब्दार्थ

सलाख – सलाई, धातु की छड़
पैतृक – पूर्वजों का, पिता से प्राप्त या पुश्तैनी
वस्तु-विनिमय – वस्तुओं का आदान-प्रदान
मुखातिब – देखकर बात करना
अवधि – समय
अंजुली – हथेली
विरले – किसी-किसी के
सहन – आँगन
बहुधा – बहुत बार
बेलननुमा – गोलाईकार
मनिहार – चूड़ी बनाने वाला
सुहाग का जोड़ा – शादी के समय पहनने वाला
मुँगेरियाँ – लकड़ी का गोल गुटका
बखत – समय
मशीन युग – मशीनों का समय
लहककर – खुश होकर।

Saathi

Date __/__/____

*** प्रश्न - अभ्यास ***

कहानी से

1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था? V.V.I

उत्तर :- बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से जाता था क्योंकि वहाँ 'बदलू' नामक मनिहार उसे लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ बनाकर देता था। ये गोलियाँ इतनी सुन्दर होती थीं कि कोई भी बच्चा इनकी ओर आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकता था।

वह बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' इसलिए कहता था क्योंकि गाँव के सारे बच्चे उसे 'बदलू काका' के नाम से पुकारते थे।

2. वस्तु-विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?

उत्तर :- वस्तु-विनिमय अर्थात् वस्तुओं का आदान-प्रदान करना। पहले लोग एक वस्तु देकर दूसरे से दूसरी वस्तु ले लेते थे जैसे बदलू लोगों से चूड़ियों के बदले पैसे न लेकर आवश्यकता का सामान ले लिया करता था। यही वस्तु-विनिमय पद्धति थी।

वर्तमान में विनिमय की प्रचलित पद्धति मुद्रा है अर्थात् धन देकर वस्तु खरीदना।

Page No.

Date __/__/____ Saathi

3. 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।'– इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है? V.V.I

उत्तर – 'मशीनी युग ने कितने ही हाथ काट दिए हैं'– इस पंक्ति के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि हाथ से किए जाने वाले उद्योग – धंधे मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। ऐसे में हाथ से काम करने वाले लोग या तो बेरोजगार हो गए हैं या फिर अपने पैतृक (पूर्वजों के) कार्यों को छोड़कर दूसरे कार्य करने के लिए मजबूर हो गए हैं। मशीनों ने लोगों को बेरोजगार बना दिया।

4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी।

उत्तर :- बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचोटती थी। यही व्यथा थी जिसे बदलू लेखक के समक्ष छिपा न सका।

5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया? V.V.I

उत्तर :- मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया की बदलू का व्यवसाय बंद हो गया। वह बेरोजगार हो गया। काम न करने से उसका शरीर भी ढल गया, उसके हाथों-माथे पर नसें उभर आई। बदलू बीमार रहने लगा।

Page No.

Date ___/___/______ Saathi

(6) इस कहानी से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर :- इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि मशीनी युग के दौर में हमें हाथ से बनी वस्तुओं को भी अपनाना चाहिए। भारत की धरोहर हथकरघा उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। लोगों को अपने पूर्वजों के उद्योग-धंधों को बंद न करके नवीनीकरण द्वारा उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

भाषा की बात

1. कुछ व्यंग्य वाक्यों को ध्यानपूर्वक समझकर एकत्र कीजिए और उनके भीतरी अर्थ की व्याख्या करके लिखिए।

* मशीन युग है न यह, लला! आजकल सब काम मशीन से होता है।

उत्तर :- अब मशीन का युग है। आजकल सब काम मशीन से होता है। इससे किसके जीवन पर क्या असर पड़ता है। इसकी चिंता किसी को नहीं है।

* 'आजकल के खाद्य-पदार्थों में शुद्धता कहाँ?

उत्तर :- इस वाक्य से यह व्यंग्य किया जाता है कि दिन-प्रतिदिन खाद्य-पदार्थों में मिलावटी चीजों से उनकी शुद्धता समाप्त होती जा रही है।

2. पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाएँ चुनकर लिखिए।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा - लेखक, बदलू, जमींदार साहब

(ख) जातिवाचक संज्ञा - आदमी, मकान, सहन।

Date __/__/____

Saathi

(ग) भाववाचक संज्ञा – प्रसन्नता, स्वभाव, रुचि।

(3) गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं। कहानी में बदलू वक्त (समय) को वखत, उम्र (वय / आयु) को उमर कहता है। इस तरह के अन्य शब्दों को खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो, अर्थ में नहीं।

उत्तर :— इंसान – मनुष्य
औरत – स्त्री
औलाद – संतान
आलम – जगत
गम – माधुरी

Page No.

Date __/__/____

Saathi

(ग) भाववाचक संज्ञा – प्रसन्नता, स्वभाव, रुचि।

(3) गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं। कहानी में बदलू वक्त (समय) को वखत, उम्र (वय / आयु) को उमर कहता है। इस तरह के अन्य शब्दों को खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो, अर्थ में नहीं।

उत्तर :— इंसान – मनुष्य
औरत – स्त्री
औलाद – संतान
आलम – जगत
गम – माधुरी

Page No.